CASE STUDY

अपना स्वास्थ्य, अपनी पहल

उदयपुरिया पंचायत
गोविन्दगढ ब्लॉक
जयपुर जिला

2017/No. 07

समुदाय को जागरूक करना ही लक्ष्य

बैठक के दौरान समिती की सदस्य

यह कहानी है गोविन्दगढ पंचायत समिति और चौमू तहसील के अन्तर्गत आने वाली ग्राम पचांयत उदयपुरिया के उपस्वास्थ्य केन्द्र पर एं.एन.एम के पद पर कार्यरत श्रीमति कंचन कुमावत की जिसने विभाग के द्वारा निर्धारित अपनी जिम्मेदारी से अलग हटकर ग्राम स्वास्थ्य समिति को न केवल जिन्दा किया बल्कि इसकी नियमित बैठक को भी सुनिश्चित करवाया। यह केस है उस महिला का जिसने स्वयं के विभाग के इतने सारे कार्यो के दबाब होने के बाद और प्राथमिक तौर पर उसकी इस समिति को लेकर कोई मुख्य जिम्मेदारी नही होने के बाद भी इसे अपनी जिम्मेदारी समझा।

उदयपुरिया ग्राम पंचायत का परिचय

जयपुर जिले के अन्तर्गत आने वाली यह पंचायत जयपुर से 60 किमी और तहसील चौमू से 25 किमी ओर गोविन्दगढ पंचायत समिति से 10 किमी दूर स्थित है। प्रिया के द्वारा शोषित और वचिंत लोगो तक स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित करने के साथ साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सकेंतकों में सुधार कर पचांयतो को सवेदंनशील बनाने के लिये गोविन्दगढ ब्लॉक की जिन 45 ग्राम पंचायतों में यह कार्यक्रम चलाया रहा है उन्ही में से एक पंचायत उदयपुरिया है। इसी उदयपुरिया ग्राम पंचायत कें उपस्वास्थ्य केन्द्र पर ए.एन.एम के पद पर 2 वर्षो से कार्यरत है 32 वर्षीय कंचन कुमावत।

प्रिया के साथ जुडाव

अपने प्रिया के साथ जुडने पर श्रीमति कंचन कुमावत बताती है कि टीकाकरण के दिन प्रिया प्रतिनिधी के रूप में सीमा शर्मा ने इनसे मुलाकात कर आने का उद्देश्य बताया और इसी मुलाकात के दौरान ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता,पेयजल एवं पोषण समिति के गठन, कार्य, और उसकी ग्राम पंचायत में भूमिका पर चर्चा हुई थी। वो कहती है कि समिति के बारे में थोडा बहुत पता था पर बाद में इस समिति में ANM की भूमिका को सीमित कर दिया गया तो समिति के गठन में किये गये नये बदलाव से वो परिचित नही थी।

ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल एवं पोषण समिति को सक्रिय करने का विचार क्यो आया ?

इस सवाल के जबाब में वो मुस्कराते हुये कहती है –
जब किसी को मन की मुराद मिल जाये और उसे पूरा करवाने में कोई उसके साथ खडा हो तो वो उस काम को करेगा ही। ऐसा ही कुछ मेरे साथ हुआ। टीं.बी जैसी गम्भीर बीमारी को लेकर यहा के लोगों मे बहुत ही अंधविश्वास है और लाख प्रयास के बाद मैं समुदाय के लोगों को इसमे शामिल नही कर पा रही थी। जैसे ही मुझे इस समिति के बारें में बताया गया तो मैने सोचा कि क्यों न इस समिति के सहयोग से ही ग्राम पंचायत के लोगों को जागरूक किया जाये जिससे इस गम्भीर बीमारी से लोग भी बच जायेंगे और ग्राम पंचायत स्वस्थ होगी। बस यही सोचकर मैने आगे बढने का फैसला कर लिया।

मैने यह भी सोचा कि इस से अन्य लोगों की भूमिका भी स्वास्थ्य और स्वच्छता को बेहतर बनाने में बढेगी तो उनका भी आत्मविश्वास बढेगा ओर इसी तरह अन्य लोग भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुये इस काम में मदद करने के लिये आगे आ जायेंगे।

जब कंचन जी से प्रिया के द्वारा किये गये प्रयासो के बारें में बताते हुये कहती है कि प्रिया ने न केवल मेरा आत्मविश्वास बढाया बल्कि मुझे इस समिति से जुडी प्रत्येक जानकारी भी मुहैया करवाई।
वो कहती है कि टीकाकरण के दिन पहली बैठक आयोजित करवाई तो प्रिया प्रतिनिधी की तरफ से उपस्थिति लोगों को इस समिति के महत्व के बारें में बताया।

सामने आने वाली परेशानियां
इस बारें में वो बताते हुये कहती है कि सबसे बडी परेशानी की बात तो यही थी कि नई गाईड लाईन के अनुसार यह जिम्मेदारी आशा की थी। उसको इस बात के पैसे भी निर्धारित थे। वो कहती है कि गांव के अन्य लोगों को एक साथ एक ही प्लैटफार्म पर लाना, पंचायती राज सदस्यों की उपस्थिति को सुनिश्चित करना आदि प्रमुख बाते थी जो सामने आई।

कंचन जी के द्वारा किये गये प्रयास
जैसा कि हम पहले ही कह चुके है कि ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति में एं.एन.एम की कोई प्राथमिक जिम्मेदारी विभाग के द्वारा तय नही की गई है और न ही इसके लिये उनको किसी भी प्रकार कोई काम दिया गया है। जब कंचन जी से इस बारें में बात की गई कि उन्होने किस तरह अपने आप इस दिशा आगे बढाया तो उनका जबाब कुछ इस तरह से था।

मैने सबसे पहले आशा से बात की और उसे समझाया और विभाग से जुडे अन्य साथियों से बात की। उसके बाद मैने समिति के सदस्यों से व्यक्तिगत रूप से बात करते हुये उन्हे इस समिति की भूमिका को समझाया। इसके बाद मैने महिला सरपंच श्रीमति गीता देवी से बात की और उनका सहयोग मांगा।

समिति के सक्रिय न होने से पंचायत पर प्रभाव
- ☐ समुदाय के लोगों की भागीदारी ग्राम पंचायत के विकास में नही थी।
- ☐ महिलाये और बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर सभी अपनी जिम्मेदारी से अनजान और उदासीनता।
- ☐ पंचायत पर सामूहिक राय से विकास और अन्य कार्य करवाने का दबाब नही।
- ☐ महिलाओं का स्वास्थ्य विकास योजना में कोई प्रतिनिधित्व नहीं।
- ☐ समिति के सक्रिय न होने से आंगनवाडी, उपस्वास्थ्य केन्द्रों पर छोटे छोटे काम करवाने के लिये पंचायत या विभाग के उपर निर्भर रहना पडता था।

समिति के सक्रिय होने से पंचायत पर प्रभाव
- ☐ समुदाय के लोगों की भागीदारी ग्राम पंचायत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में बढी है।
- ☐ सक्रिय होने से पंचायत की नालियों में मिट्टी का तेल डलवाया गया।
- ☐ अब सभी लोग इस बैठक के माध्यम से अपनी आवश्यकताये पहचान कर उन्हे पूरा करवाने के लिये प्रयासरत है।
- ☐ समिति के सदस्यों को जानकारी और सक्रिय होने के कारण उनमें गावं के प्रति सोचने की क्षमता का विकास हुआ है।
- ☐ पचांयती राज सदस्यों का भी इस समिति में विश्वास मजबूत हुआ है।
- ☐ समिति के सभी सदस्य महिलायें है तो उनसे जुडे मुद्दे अब सामने आने लगे है और वो इनको हल करवाने के लिये प्रयास करने लगी है।
- ☐ महिलाये अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक हो रही है।

आने वाले समय में कंचन जी की प्राथमिकतायें
जब उनसे आने वाली बैठकों के दौरान चर्चा होने वाले मुद्दो की प्राथमिकताओं के बारें में पूछा गया तो वो कहती है कि समिति के सभी सदस्य ही निर्धारित करेंगे पर मै चाहती हूं कि समिति के सभी सदस्य पचांयत के समुदाय के लोगों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें।
वो आगे कहती है कि ग्राम पंचायत में महिला सभा का भी प्रयास किया जायेगा। वो अपनी स्वयं की प्राथमिकताये कुछ इस तरह से गिनाती है–
- ☐ ग्राम पंचायत में टी.बी से ग्रसित लोगों को पूरी दवाई खिलाकर उन्हे इस रोग से मुक्त करना।
- ☐ ग्राम पंचायत में एक और ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल एवं पोषण समिति का गठन करवाने का प्रयास करना।
- ☐ समिति के सदस्यों के द्वारा लिये गये निर्णयों को ग्राम सभा के माध्यम से स्वीकृत करवाने का प्रयास करना।
- ☐ वार्ड पंचो से बात कर उनके वार्डो में वार्ड सभा या महिला सभा का आयोजन करवाना।
- ☐ एक दिन का प्रशिक्षण सभी समिति के सदस्यो के लिये आयोजित करवाने का प्रयास करना।
- ☐ समिति में सदस्यों की संख्या बढाने का प्रयास करना और हर वार्ड से दो सदस्य इसमें शामिल करवाने की कोशिश रहेगी।
- ☐ विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी समिति के सदस्यों को मुहैया करवाना जिससे सभी को इनका लाभ मिल सके।
- ☐ समिति की बैठक नियमित समय पर आयोजित हो इसके लिये समिति के सदस्य और आशा का मानसिक रूप से तैयार करना।

पंचायत से जुडे हुये लोगो के विचार

आंगनवाडी पर कार्यरत आशा श्रीमति सुषमा अग्रवाल कहती है कि समिति के सक्रिय होने से सबसे ज्यादा खुशी उनको हुई है, क्यों कि उनकी जिम्मेदारी कंचन ने उठाई और दूसरा पंचायत में अब लोग अपनी जिम्मेदारी को समझ रहे है।

उदयपुरिया की सरपंच श्रीमति गीता के अनुसार वो कंचन जी के काम से बहुत खुश है और इस समिति के द्वारा लिये जा रहे निर्णयों को ग्राम सभा से अनुमोदन करवाने के लिये अपनी सहमति दिखाती है। उनसे बातचीत के दौरान पता चला कि कंचन जी हर काम को सही करने के लिये ही जानी जाती है। उनको आये हुये 2 साल हो गये पर किसी तरह की कोई शिकायत नही आती।

प्रिया के साथ पहले काम कर चुकी और समिति की सदस्य श्रीमति राजकुमारी नाटाणी कहती है कि इस समिति की वजह से लोगो को अपनी स्वयं की जिम्मेदारी को तय करने और ग्राम पंचायत के विकास में अपनी भूमिका को बढाने का मौका मिल रहा है।

इस पूरे केस में यह बात अच्छी है कि कंचन इस बात का प्रयास कर रही है कि अन्य लोग इस जिम्मेदारी को ले। लोगों में अच्छी छवि होने के कारण और उनके हौंसले को देखते हुये यह बहुत ज्यादा मुश्किल नही होगा। इस समिति को सक्रिय रखना और सदस्यों में हौंसला बनाये रखना कोई आसान काम तो नही कहा जा सकता है। इस समिति के माध्यम से लिये गये निर्णय को पंचायत के माध्यम से पूरा करवाना भी वो एक चुनौती समझती है। अगर यह समिति सही तरह से अपनी जिम्मेदारी को समझ कर कार्य करने लग जाये तो निश्चित रूप से ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य और पोषण के दिशा में बेहतर कार्य किया जा सकता है।

This case study was written by Subodh Kumar Gupta, Program Officer for PRIA's "Reforming Local Governance For Responsive And Effective Service Deliveries In Selected Blocks Of Rajasthan" Project, in Partnership with Azim Premji Philanthropic Initiatives (APPI) and Dasra.